स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत
स्वच्छता इंसान को महान बनाती है।
शाहजहाँपुर महानगर को आओ हम सब मिलकर स्वच्छ बनायें।
सम्पादक

सांध्य दैनिक
क्रान्ति रत
आर.एन.आई. सं०. 40267/83
डाक पंजि. संख्या एस.जे.एन/055/2024-26

शासकीय विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
सम्पर्क करे सांध्य दैनिक क्रान्ति रत
मालखाना रोड
शाहजहाँपुर;(उ0प्र0)
मो0 8601465311
rakeshjeespn@gmail.com

वर्ष 42 अंक 142 हिन्दी सांध्य दैनिक शाहजहाँपुर, शनिवार 07 मार्च 2026 पृष्ठ - 8 मूल्यः 1 रुपये

कृषि क्षेत्र के निर्यात को बढ़ाना जरूरी

पीएम मोदी ने किसान योजना का किया जिक्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम मोदी ने पोस्ट-बजट वेबिनार में कहा कि कृषि भारत के दीर्घकालिक विकास की रणनीतिक आधारशिला है। उन्होंने बताया कि किसान निधि योजना के तहत किसानों को 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए जा चुके हैं। आइए विस्तार से जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्एग्रीकल्चर एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशनश विषय पर आयोजित पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसे अधिक प्रतिस्पर्धी व निर्यात उन्मुख बनाने की जरूरत है। पीएम किसान निधि योजना से कितने किसानों को मिला लाभ? प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों की आय और सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 10 करोड़ किसानों को पीएम किसान निधि योजना के तहत 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। वहीं पीएम फसल

बीमा योजना के अंतर्गत करीब 2 लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया गया है। इससे किसानों का जोखिम कम हुआ है और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। उच्च मूल्य वाली कृषि को लेकर क्या बोले मोदी? मोदी ने कहा कि इस साल के बजट में उच्च मूल्य वाली कृषि पर विशेष जोर दिया गया है। क्षेत्र विशेष के उत्पादों जैसे नारियल, काजू, कोको और चंदन को बढ़ावा देने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में नारियल के पुराने पेड़ों के कारण उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है, इसलिए किसानों को अतिरिक्त लाभ दिलाने के लिए बजट में नारियल क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमालयी राज्यों में टेम्पर्ड नट फसलों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है। इससे निर्यात उन्मुख उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोसेसिंग व वैल्यू एडिशन के जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की विविध जलवायु और अलग-अलग कृषि-जलवायु क्षेत्रों का लाभ उठाकर कृषि को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा सकता है।

कृषि योजना के उद्देश्य

- किसान एक ही फसल पर निर्भर नहीं रहेंगे
- टिकाऊ खेती को बढ़ावा
- हर स्तर पर फसल भंडारण की सुविधा
- बेहतर सिंचाई व्यवस्था
- किसानों को आसानी से लोन देना

कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकतः जयशंकर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह से वैश्विक प्रभुत्व (हेजेमनी) नहीं रखता है और आने वाला समय बहुध्रुवीय विश्व का होगा। रायसीना डायलॉग 2026 में विदेश मंत्री ने यह बात कही। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज कोई भी देश पूरी तरह से हावी नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 20वीं सदी के मध्य से एक निश्चित विश्व व्यवस्था बनाए रखने की वैश्विक अपेक्षा श्अवास्तविकश थी, और अब शक्ति विभिन्न आयामों में काफी हद तक फैल गई है। वैश्विक शासन का बदलता स्वरूप रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, श्जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी। दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द-गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे-धीरे कई ताकतों में बंट रही है। अब कोई भी देश ऐसा नहीं है, जो हर क्षेत्र-जैसे अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति, तकनीक या कूटनीति में पूरी तरह से हावी हो। विदेश मंत्री के मुताबिक आज ताकत का मतलब सिर्फ जीडीपी या सैन्य शक्ति नहीं रह गया है।

समुद्र बन रहे वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र, पश्चिम एशिया संकट पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

कोलकाता,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में समुद्र शक्ति संतुलन का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अस्थिरता से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर गंभीर असर पड़ेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती वैश्विक राजनीति में समुद्र एक बार फिर दुनिया की शक्ति संतुलन का केंद्र में आ गए हैं। अब यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास और पूरी क्षमता के साथ समुद्री क्षेत्र में नेतृत्व करे। रक्षा मंत्री ने क्या कहा? राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम को असामान्य बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस इलाके के हालात पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, वह सामान्य नहीं है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि वहां के हालात आगे किस दिशा में जाएंगे। वैश्विक व्यापार को हो रहा नुकसान रक्षा मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के महत्व को समझाया।

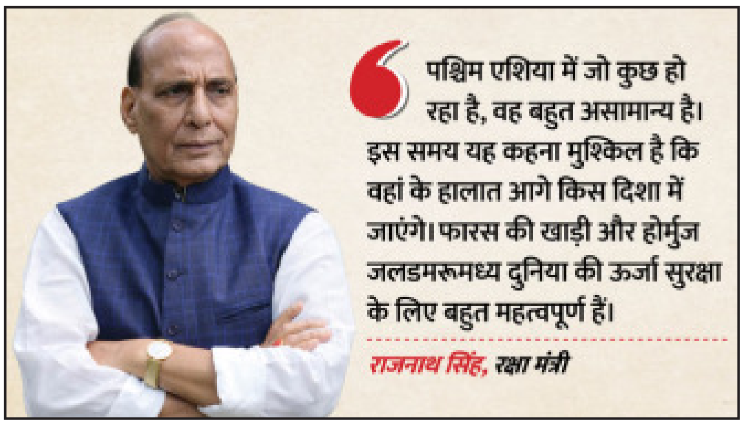

उन्होंने कहा कि यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जब भी इस क्षेत्र में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि आज सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूसरे सामानों की सप्लाई चेन में भी रुकावटें आ रही हैं। इन अनिश्चितताओं की वजह से वैश्विक व्यापार को नुकसान हो रहा है। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात ने एक बार फिर समुद्रों की अहमियत को साबित किया है। उन्होंने कहा, बदलती वैश्विक राजनीति के इस दौर में समुद्र शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं। एक बड़े समुद्री देश के तौर पर भारत को साफ विजन के साथ आगे आना होगा। पश्चिम में तनाव चरम पर हालांकि, रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के पास अमेरिकी हमले में ईरानी युद्धपोत के डूबने का सीधा जिक्र नहीं किया। बता दें कि ईरानी युद्धपोत श्आईआरआईएस डेनाश भारत की मेजबानी वाले मिलान नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था, तभी उसे निशाना बनाया गया। इस हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर बड़े सैन्य हमले किए थे, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की जान चली गई। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और कई खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इनमें यूएई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और सऊदी अरब जैसे देश शामिल हैं। पिछले तीन दिनों से दोनों तरफ से भीषण हमले जारी हैं।

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी,लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया। 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या? समाधान दिवस में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने समस्या का समाधान न होने पर नाराजगी जाहिर की। 60 साल के बुर्जुग ने कहा– 8 बार चक्कर लगा चुका हूं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जान दे दूं क्या? वजीरगंज की रहने वाली राम दुलारी का कहना है कि 15 हजार हाउस टैक्स आया है। इसके कारण परेशानी हो रही। बात करते हुए उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब थी। सीढ़ियां

चढ़कर ऊपर गई। इससे सांस फूलने लगी। तबीयत खराब हो गई। ईटीएफ बल के कर्मचारी कुर्सी पर बैठाकर सीढ़ियों से लेकर नीचे पहुंचे। कुछ देर बाद उनकी तबीयत ठीक हुई। दरियापुर, तालकटोरा निवासी विशुना (90) सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंचीं। मेयर ने अफसरों को उनकी समस्या दूर करने का निर्देश दिया। दरअसल, उनका एक कमरे का मकान है, जिसका तीन साल से हाउस टैक्स नहीं जमा हुआ है। उनका बिल कुल 972 रुपए आया है। वह राहत देने की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि घर परिवार में कोई नहीं है। अकेले ही आना पड़ा। स्टेशन रोड निवासी 60 वर्षीय अशोक कुमार भार्गव ने अपनी समस्या सुनाई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर उनकी दुकान 2021 से 2025 तक बंद थी। 2003 से 2013 तक भी दुकान बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन अब नहीं हो रहा है। हम ऐसे ही परेशान हैं। अब दुकान खुली तो टैक्स लगा दिया है। डेढ़ लाख रुपए टैक्स लगा दिया गया है। अब आख्या तैयार हो गई है, तो अधिकारी दस्तखत नहीं कर रहे हैं। हार्ट का मरीज हूं। बायपास सर्जरी हो चुकी है। 12 फाइल हमारे मामले की बन चुकी है। इसका गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होना चाहिए। एक फाइल खो भी गई है। नगर निगम से इसका मुकदमा दर्ज होना चाहिए। तकरोही से बब्बन राजभर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। उनका कहना है कि उनके क्षेत्र में जलकल विभाग में तैनात एक कर्मचारी (बाबू)ने नाली की जमीन पर अतिक्रमण कर उसके ऊपर छत डाल दी है। पिछले 1 साल से दौड़ रहा हूं। नगर निगम की टीम मौके पर जाती है। उस बाबू के घर पर बैठकर चाय पानी पीकर वापस आ जाती है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने जोन के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्हें अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। इसकी रिपोर्ट भी मांगी। (एमआईएस) मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम से संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायत का अब निस्तारण किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि नाम, मोबाइल नंबर और संबंधित विभाग का नाम दर्ज होगा। इसके बाद मैनुअल मोड से संबंधित विभाग के लोगों के पास में जाएगा। ऑनलाइन भी इसको देखा जाएगा। इसको मैनुअल और ऑनलाइन तरीके से निस्तारण किया जाएगा। वहीं, मेयर और नगर आयुक्त गौरव कुमार भी इसे ट्रैक कर सकेंगे कि शिकायत के बाद क्या किया जाएगा।

कूड़ा जलाकर राजधानी के एक्यूआई को और खराब कर रहा खुद नगर निगम

लखनऊ,संवाददाता। स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी को नंबर एक बनाने के लिये नगर निगम के साथ सफाईकर्मी जी जान से लगे हुए है। गलियों में सड़कों पर कूड़ा दिखाई न दे इसलिए कूड़े के ढेर को आग लगा कर अपने कर्तव्यों का पूरा पालन कर रहे है। सफाईकर्मियों द्वारा झाड़ु लगाने के बाद कूड़ा उठाने के बजाय उसमे आग लगाना अधिक आसान समझते है। कूड़े के ढेर में आग लगाने की घटनाये सुबह के समय सभी जोन में देखी जा सकती है। बस नगर निगम के जोन अधिकारी, सुपरवायजर को नहीं दिखायी देती है। ताजा मामला जोन–2 के राजाजीपुरम् वार्ड का है जिसमे सी–ब्लक स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय के बाहर सफाईकर्मी ने एकत्र ढेर को उठाने के बजाय उसमें आग लगा दी। धुआं उठने पर लोगों पानी डालकर आग को बुझाया। राजधानी के तालकटोरा इलाके का ताजा एक्यूआई 180–200 है जो पहले ही इलाके को खतरनाक स्थिति में प्रदूषित कर रहा है उसपर कूड़ा जलाने से और भी प्रदूषण को बढ़ा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51–ए में नागरिकों के ग्यारह वर्णित मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण संरक्षण का विशेष उल्लेख है जिनके पालन की सरकार नागरिकों से अपेक्षा रखती है। परंतु खुद नगर निगम व उसके कर्मचारी पर्यावरण संरक्षण का मजाक बना रहे है। खुले में कूड़ा लनाने की घटनाओं पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भारी जुर्माने व सजा का प्रावधान है परंतु सभी नगरनिगम में जोन में खुलेआम कूड़ा जलाने वाले कितने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों पर महापौर व नगर आयुक्त ने जुर्माना तो दूर की बात एक स्पष्टीकरण ही मांगा हो।

गरीबों की दिल खोल कर सहायता करें : मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ,संवाददाता। रमजानुल मुबारक के तीसरे जुमे को जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अपने खुतबे में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि अल्लाह के इंआमों में से एक इंआम रमजानुल मुबारक का महीना है जिसमें एक एक नेकी का सत्तर से सात सौ गुना तक अल्लाह तआला अपने बंदों को सवाब देता है, इससे नेकी की ऐसी फिजा और माहौल बन जाता है कि बंदे के दिल का झुकाव बुराई की तरफ कम और अच्छाई की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। इसी मुबारक महीने में रोज़े जैसे अहम्तरीन रुक्न–ए–इस्लाम को फर्ज किया कि इसका दिन रोज़े की हालत में गुज़ारा जायेगा, इस में रोज़ा रखने का बदला अपने लिए खास़ किया। इसका पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मग़फिरत और तीसरा अशरा जहन्नम से छुटकारा है। रमजानुल मुबारक के इस महीने में नेक अमल को आसान बनाने के लिए शैतानों को कैद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में तीन तरह के विषय हैं। एक अकीदा कि खुदा पाक पूरी दुनिया का मालिक है। उसने दुनिया को पैदा करके उसको दूसरों के हवाले नही कर दिया है बल्कि वह हर समय पूरी कायनात को अपनी मर्जी के मुताबिक़ चला रहा है। इस लिए हम सब को अपनी जरूरतें इसी एक मालिक के सामने रखनी चाहिएं। उसका बेहतरीन तरीका दुआ है। दुआ से बन्दे में खाक़सारी पैदा होती है जो खुदा पाक को बहुत पसंद है और दुआ न करने से तकब्बुर पैदा होता है जो खुदा पाक को सबसे अधिक नापसंद है। मौलाना ने कहा कि इस माह की बहुत बड़ी बरकत है कि हम ने कुछ रातों में कुरान मजीद सुना। हम पर यह जिम्मेदारी है कि कुरान मजीद के अहकाम से वाकिफ हों। उसके हुकमों पर अमल करें। बाक़ी बचे हुए दिनों में फर्ज, सुन्नत, नवाफिल, तरावीह और तहज्जुद की पाबन्दी करें। शब–ए–कद्र का एहतिमाम करें। अपने माल की जकात निकालें, सदका फित्र अदा करें ताकि गरीब भी ईद की खुशियाँ हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि यह महीना हमदर्दी और गमख्वारी का महीना है। इस का हम अमली सुबूत दें।

तीसरी बार यूपी की सत्ता में वापसी करेगी बीजेपी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी नई टीम के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी का लक्ष्य लगातार तीसरी बार प्रदेश की सत्ता में वापसी करना है। इसके लिए संगठन स्तर पर बड़े बदलाव किए जाने की संभावना है, जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्षों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों में बांटा हुआ है और हर क्षेत्र में एक क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। ये अध्यक्ष अपने क्षेत्र के जिलाध्यक्षों के कामकाज पर नजर रखते हैं।

डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित किया,हंगामे पर आईसीयू से जिंदा निकली

लखनऊ,संवाददाता। मोहनलालगंज में प्राइवेट हॉस्पिटल ने डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों से डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करा लिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू किया तो आईसीयू से महिला को जिंदा निकाला गया। स्थिति गंभीर होने पर उसे बलराम अस्पताल फिर वहां से केजीएमयू रेफर किया गया। हालांकि, करीब 6 घंटे बाद महिला को बचाया नहीं जा सका। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल की है। महिला की पहचान इस्माइल नगर, नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी चांदनी कुमारी (22) के रूप में हुई है। गुरुवार को उसने कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेटे को जन्म दिया था। आज, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे उसकी केजीएमयू में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, चांदनी कुमारी को गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा हुआ। डिलीवरी के लिए दोपहर करीब 12 बजे उसे कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया। शाम करीब 7 बजे उसने ऑपरेशन से बेटे को जन्म दिया। उसके बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। महिला के ससुर अनिल कुमार ने बताया आईसीयू में भर्ती शिफ्ट करने के बाद हॉस्पिटल प्रशासन इलाज के नाम पर बार–बार पैसे जमा कराता रहा। पहले 15 हजार रुपये जमा कराए। फिर 18,500 और 25 हजार रुपए जमा कराए। परिजनों से खून लेकर रातभर चढ़ाते रहे। भाई दिनेश ने बताया आज सुबह डॉक्टरों ने 8 यूनिट और खून चढ़ाने के लिए कहा। सुबह करीब 7 बजे मैंने 8 लोगों को खून देने के लिए बुला लिया। इस बीच हॉस्पिटल का स्टाफ कई तरह की बातें बताकर गुमराह करता रहा, फिर कहा कि तुम्हारे मरीज की मौत हो गई है। उसके बाद डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करवा लिया। महिला की मौत की खबर सुनकर परिजनों ने हंगामा शुरु कर दिया। इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। हॉस्पिटल प्रबंधन से महिला को दिखाने के लिए कहा। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। हंगामा बढ़ता देखकर हॉस्पिटल प्रबंधन ने महिला को आईसीयू से बाहर निकाला तो उसकी सांसें चल रही थीं। तब तक पुलिस भी पहुंच गई। हॉस्पिटल ने महिला को रेफर किया। उसे एम्बुलेंस से बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उसे केजीएमयू रेफर कर दिया।

केजीएमयू में इजाला के दौरान दोपहर करीब 1 बजे महिला की मौत हो गई। महिला की एक साल पहले शादी हुई थी। उसका बेटा स्वस्थ है। परिजनों ने कहा कि यदि कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में सही इलाज होता या समय से रेफर कर दिया जाता तो महिला की जान बच जाती। कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल के लोग पैसा कमाने के चक्कर में लटकाए रहे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नगराम निवासी चांदनी (पत्नी आशु उर्फ अश्विनी कुमार) 9 माह की गर्भावस्था में गुरुवार दोपहर 2.20 बजे भर्ती हुईं। बच्चे की धड़कन असामान्य और प्लेटलेट्स कम थे। परिजनों की सहमति से ऑपरेशन किया गया। बाद में हालत बिगड़ने पर दोबारा ऑपरेशन में स्प्लीनिक एन्यूरिज्म से रक्तस्राव मिला, जिसे कंट्रोल किया गया। यह सिजेरियन से संबंधित मामला नहीं था। स्प्लीनिक एन्यूरिज्म का मतलब होता है तिल्ली की धमनी में असामान्य रूप से गुब्बारे जैसी सूजन या फैलाव। जब तिल्ली तक खून ले जाने वाली धमनी की दीवार कमजोर हो जाती है।

द टैटू गर्ल

वर्किंग गर्ल्स टैटू बनवाने से बचती हैं क्योंकि टैटू वाली लड़की को अल्ट्रा मॉडर्न और सैक्सुअली अवलेबल समझते हैं लड़के

टैटू बनवाना आजकल फैशन का हिस्सा बन गया है। कई लोग नए– नए डिजाइन ढूंढ कर टैटू बनवाते हैं। लेकिन ये शौक खतरनाक साबित हो सकता है। ये हम नहीं कर रहे, बल्कि एक स्टडी में ये बात सामने आई है। जर्नल एनालिटिकल केमिस्ट्री में प्रकाशित एक स्टडी में दावा किया गया है कि टैटू की इंक में मौजूद केमिकल्स से स्किन कैंसर का खतरा रहता है। इसके अलावा ये इम्यून सिस्टम को कमजोर भी करता है। इससे शरीर के कई अंगों को भी नुकसान पहुंचाता है। अमेरिका में की गई इस स्टडी में 54 टैटू की इंक के नमूने लिए गए थे। इसके नतीजों से पता चला है कि इसमें से 90 प्रतिशत नमूनों में पॉलीइथिलीन ग्लाइकॉल और 2–फेनॉक्सीथेनॉल जैसे केमिकल हैं, जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक है।

शरीर के लिए बहुत हानिकारक है टैटू की इंक

पॉलीइथिलीन ग्लाइकॉल की बात करें तो वो किडनी नेक्रॉसिस सहित शरीर के दूसरें अंगों को नुकसान पहुंचता है, तो वहीं 2–फेनॉक्सीथेनॉल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। स्टडी के प्रमुख एक्सपर्ट जॉन स्वर्क का कहना है कि इंक बनाने वाली कंपनी इन केमिकल्स का इस्तेमाल टैटू के बेहतर तमेनसजे के लिए करती हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि टैटू बनवाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। टैटू बनवाने से पहले इंक की क्वालिटी और इससे शरीर में होने वाले हेल्थ प्रॉब्लम्स के बारे में भी पता होना चाहिए।

पूरे खून के फैल जाती है टैटू की जहरीली इंक

टैटू बनाते वक्त बॉडी पार्ट के अंदर इंक डाली जाती है, जो व्हाइट ब्लड सेल के मैक्रोफेज द्वारा अब्जॉर्ब की जा सकती है, जिससे अंग पर बनाने के बाद ये अपनी जगह पर रहे। लेकिन कुछ मामलों में इंक में मौजूद गंदगी खून से मिक्स होकर पूरे शरीर में फैल जाएगी और स्किन कैंसर का कारण बन सकता है। वहीं इससे शरीर का कोई अंग पूरी तरह से डैमेज भी हो सकता है।

टैटू बनाने से हो सकती हैं ये हेल्थ प्रॉब्लम्स भी

– लिम्फ नोड में सूजन
– अंगों हो सकते हैं डैमेज
– एलर्जी
– इंफेक्शन

टैटू बनवाने से पहले भरते ये सावधानियां

– अच्छे प्रोफेशनल आर्टिस्ट से ही टैटू बनवाएं।
–इंक की क्वालिटी और उससे होने वाले हेल्थ इस्यूस के बारे में भी जान लें।
– टैटू बनवाने के बाद स्किन की अच्छे से केयर करें।

नेल पेंट अप्लाई करने से पहले अपनी स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि जब आप नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं, तो आपके हाथ सुंदर नजर आएं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस स्किन टोन के हिसाब से कौन सा नेल पेंट कलर अच्छा लगेगा।

आजकल लड़कियां नेल आर्ट या नेल एक्सटेंशन करवाना पसंद करती हैं। क्योंकि हर कोई अपने हाथों को सुंदर दिखाना पसंद करता है। वहीं जब किसी शादी या पार्टी में जाने की बात होती है, तो अधिकतर लड़कियां बाहर जाकर नेल्स पर नेल पेंट लगवाती हैं। जिससे कि उनके हाथ भी सुंदर दिख सकें। ऐसे में लड़कियां अपनी ड्रेस से मैचिंग या फिर अपनी पसंद का नेल पेंट नाखूनों पर अप्लाई करती हैं।

लेकिन नेल पेंट अप्लाई करने से पहले अपनी स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि जब आप नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं, तो आपके हाथ सुंदर नजर आएं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस स्किन टोन के हिसाब से कौन सा नेल पेंट कलर अच्छा लगेगा।

ब्राइट स्किन टोन

बता दें कि सभी की स्किन टोन अलग–अलग होती है। वहीं अगर आपकी ब्राइट स्किन टोन है, तो आपको अपने नाखूनों पर डार्क कलर जैसे– ब्लू, ब्लैक, ग्रीन, डार्क रेड, येलो कलर ट्राई करना चाहिए। साथ ही आप ग्लिटर वाला नेल पेंट भी लगा सकती हैं। ग्लिटर वाला नेट पेंट नाखूनों पर अप्लाई करने से हाथ सुंदर नजर आते हैं।

डार्क स्किन टोन

डार्क स्किन टोन वाली लड़कियों को अपने नाखूनों पर कभी भी लाइट कलर का नेल पेंट नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि इससे

आपके हाथ और काले नजर आ सकते हैं। इससे अच्छा है कि आप डार्क कलर का नेल पेंट नाखूनों पर अप्लाई करें। आप ब्लैक, ब्राउन, येलो और ब्लू कलर छोड़कर कोई भी कलर का नेल पेंट लगा सकती हैं। इससे आपके हाथ काफी ज्यादा सुंदर दिखेंगे। वहीं अगर आप चाहें तो मैट या फिर ग्लॉसी नेल पेंट भी अप्लाई कर सकती हैं।

गेहुंआ स्किन टोन

अधिकतर लोगों की स्किन टोन गेहुंआ होती है। ऐसे में अगर आपकी स्किन टोन गेहुंआ है, तो आप लाइट कलर शेड लगा सकती हैं। इससे आपके हाथ काफी ज्यादा सुंदर लगेंगे। गेहुंआ स्किन टोन की खासियत होती है कि इस पर किसी भी तरह का नेल पेंट कलर अच्छा लगता है। बस प्रयास करें कि ग्लिटर वाला नेल पेंट न लगाएं। क्योंकि इससे आपके हाथ थोड़े काले नजर आ सकते हैं।

स्किन की देखभाल के लिए आमतौर पर महिलाएं पील ऑफ मास्क जरुर लगाती है। त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने के लिए पील ऑफ मास्क चेहरे पर लगाती है लेकिन इसके कई सारे नुकसान होते हैं। क्या आप जानते हैं? जो आप पील ऑफ मास्क का इस्तेमाल करते है स्किन को ग्लो करने के लिए उसके कई नुकसान हैं।

स्किन को चमकदार बनाने के लिए महिलाएं कई सारे ब्यूटी प्रोडक्टस का इस्तेमाल करती हैं। त्वचा को स्वस्थ और साफ रखने के लिए पील ऑफ मास्क का प्रयोग जरुर करती है। लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन को कई नुकसान होते हैं। इन्ही नुकसानों के बारे में हम इस लेख में बताएंगे।

रेडनेस की समस्या

कई लोगों की त्वचा काफी सेंसिटिव होती है, तो पील ऑफ मास्क का उपयोग बिल्कुल न करें। अगर आप पील ऑफ मास्क को चेहरे पर अप्लाई करेंगे तो रेडनेस हो सकती है। इसके साथ ही आप एक्जिमा या किसी अन्य रोग के शिकार हो सकते हैं।

स्किन ड्राई होना

जो महिलाएं पील ऑफ मास्क का प्रयोग करती हैं वो लोग इसे इस्तेमाल न करें। पील ऑफ के मास्क की वजह से स्किन पर रूखापन आ सकता है जिससे स्किन ड्राई दिखने लगती है। इसमें मौजूद केमिकल्स स्किन को रूखा बना देते हैं।

एजिंग की समस्या

पील ऑफ मास्क इस्तेमाल करने की वजह से स्किन पर एजिंग होने लगती है। इसके कारण त्वचा में दर्द, रैशेज और एलर्जी की समस्या हो सकती है। ऐसे में इसको अपने स्किन केयर में शामिल न करें।

सम्पादकीय

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली–जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकर्ताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल, अब तक विधान परिषद, बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद, वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है। यह सब भाजपा के विधानसभा में संख्याबल के दबाव में होना था, लेकिन यह इतना जल्दी हो जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। वे इसे जेडीयू के संकुचन की शुरुआत बता रहे हैं।

खामेनेई की विरासत पर सवाल बरकरार

असद मिर्जा

आयतुल्लाह अली खामेनेई (1939–2026), ईरान के दूसरे सर्वोच्च नेता, 28 फरवरी, 2026 को तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हवाई हमले के दौरान मारे गए थे। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुरुआती घोषणा के बाद, 1 मार्च, 2026 को ईरानी सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की। खामेनेई को उनके कार्यालय में ऑपरेशन एपिकफ्यूरी नाम के एक संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मार दिया गया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और रक्षा मंत्री समेत कई दूसरे बड़े अधिकारी भी मारे गए थे। ईरान ने 40 दिन का राजकीय शोक और सात सार्वजनिक छुट्टियां घोषित किए हैं। आयतुल्लाह अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं है। ईरानी संविधान के तहत, राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रमुख और गार्डियन काउंसिल के एक सदस्य वाली एक काउंसिल कुछ समय के लिए नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेगी। आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 1989 से 2026 तक, 36 साल से ज़्यादा समय तक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सर्वोच्च नेता के तौर पर काम किया, जिससे वे मध्य पूर्व में किसी भी देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रमुख बन गए। 1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाहखामेनेई1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते, उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्लाहखोमैनी द्वारा बनाए गए धर्माधारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। आयतुल्लाह अली खामेनेई के 36 साल के राज ने ईरान को एक ताकतवर अमेरिका–विरोधी शक्ति ताकत बना दिया, जिसने मध्यपूर्वमें अपना सैन्य दबदबा फैलाया, और साथ ही देश में बार–बार होने वाली अशांति को दबाने के लिए सख्ती का इस्तेमाल किया। शुरू में खामेनेई को कमजोर और फैसला न कर पाने वाला कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन करिश्माई आयतुल्लाहरुहोल्लाहखोमैनी, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑ+फ ईरान की स्थापना की थी, की मौत के बाद सर्वोच्च नेता के लिए उनका चुनाव एक मुश्किल विकल्प लग रहा था। लेकिन देश के शक्ति ढांचे के शीर्ष पर खामेनेई के पहुंचने से उन्हें देश के मामलों पर मजबूत पकड़ मिली। खामेनेई ने लंबे समय तक इस बात से इनकार किया कि ईरान का नाभिकीय कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने के मकसद से था, जैसा कि पश्चिम का कहना था। 2015 में उन्होंने दुनिया की ताकतों और व्यावहारिक राष्ट्रपति हसन रूहानी की सरकार के बीच एक नाभिकीय समझौते का सावधानी से समर्थन किया, जिसने प्रतिबंध में राहत के बदले देश के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगा दी। मुश्किल से हुए इस समझौते के नतीजे के तौर पर ईरान का आर्थिक और राजनीतिक अलगाव कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका के लिए खामेनेई की दुश्मनी कम नहीं हुई। 2018 में यह और बढ़ गई जब ट्रंप की पहली सरकार ने नाभिकीय समझौते से नाम वापस ले लिया और ईरान की तेल और शिपिंग उद्योग को रोकने के लिए फिर से प्रतिबंधलगा दिए। आयतुल्लाह ने अपने पूरे राज में वॉशिंगटन की बुराई की, और वह 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद भी तीखे हमले करते रहे। अमेरिका के नाभिकीयबातचीत से हटने के बाद, खामेनेई ने उन कट्टर समर्थकों का साथ दिया जिन्होंने रूहानी की पश्चिम के प्रति तुष्टीकरण की नीति की बुराई की थी। जब ट्रंप ने ईरान पर 2025 में एक नयेनाभिकीय समझौते के लिए दबाव डाला, तो खामेनेई ने श्अमेरिका के असभ्य और घमंडी नेताओंश की बुराई की। उन्होंने पूछा, श्आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि ईरान को रेडियोधर्मी तत्वों का परिष्करण करना चाहिए या नहीं? श खामेनेई अक्सर अपने भाषणों में श्महान शैतानश की बुराई करते थे, उन कट्टरपंथियों को भरोसा दिलाते थे जिनके लिए अमेरिका विरोधी भावना 1979 की क्रांति के केंद्र में थी, जिसने ईरान के आखिरी शाह को देश निकाला दे दिया था। अली खामेनेई का जन्म अप्रैल 1939 में नॉर्थ–ईस्ट ईरान के मशहद में हुआ था। 11 साल की उम्र में मौलवी बनने पर उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता सा+फ थी। उन्होंने इराक और ईरान की धार्मिक राजधानी +कोम में पढ़ाई की। उनके पिता, जो अजेरी मूल के धार्मिक विद्वान थे, एक पारंपरिक मौलवी थे जो धर्म और राजनीति को मिलाने के खिला+फ थे। इसके उलट, उनके बेटे ने इस्लामी क्रांतिकारी मकसद को अपनाया। 1963 में, खामेनेई ने जेल में कई सजाओं में से पहली सजा काटी, जब 24 साल की उम्र में उन्हें राजनीतिक गतिविधियों के लिए हिरासत में लिया गया था। उनकी आधिकारिक जीवनी के मुताबिक, उसी साल बाद में उन्हें मशहद में 10 दिनों के लिए कैद किया गया, जहां उन्हें बहुत ज़्यादा शारीरिक प्रताडना सहनी पड़ी। शाह के गिरने के बाद, खामेनेई ने इस्लामिक रिपब्लिक में कई पद संभाले। उप रक्षा मंत्री के तौर पर, वह मिलिटरी के करीब हो गए और पड़ोसी देश इराक के साथ 1980–88 के युद्ध में एक अहम किरदार थे, जिसमें अंदाजन कुल दस लाख लोगों की जानें गई थीं। एक अच्छे वक्ता होने के नाते, उन्हें खोमैनी ने तेहरान में शुक्रवार की नमाज के लीडर के तौर पर नियुक्त किया था। उनकी इतनी तेजी से, पहले कभी नहीं हुई तरक्की पर सवाल थे। उन्होंने खोमैनी के समर्थन से राष्ट्रपति का पद जीता – इस पोस्ट पर पहले मौलवी – और खोमैनी के वारिस के तौर पर उनका चुना जाना एक आश्चर्यजनक पसंद थी, यह देखते हुए कि उनमें खोमैनी जैसी लोकप्रिय प्रभावशालिताऔर बेहतर मौलवी काबिलियत, दोनों की कमी थी। ताकतवर गार्ड्स के साथ उनके रिश्ते 2009 में काम आए। उस साल, राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के दोबारा चुनाव जीतने के बाद, जब विपक्ष ने वोट में धोखाधड़ी के आरोप लगाए।

, तो सशस्त्र बलों ने विरोध प्रदर्शनों को कुचल दिया। उन्होंने सेताद के जरिए एक बड़े आर्थिक जागीर को भी चलाया, जो एक ऐसा संगठन था जिसे खोमैनी ने शुरू किया था, लेकिन के खामेनेई के राज में यह बहुत बढ़ गया था, और जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति थी। खामेनेई ने इस इलाके में ईरानी असर बढ़ाया, इराक और लेबनान में शिया मिलिशिया को ताकत दी, और सीरिया में हजारों सैनिक भेजकर उस समय के राष्ट्रपति बशरअल–असद को सहारा दिया। उन्होंने मध्यपूर्वमें इजराइली और अमेरीकीताकत का विरोध करने के लिए इन साथियों – श्एक्सिस ऑफरेजिस्टेंसश पर चार दशकों में अरबों खर्च किए, जिसमें हमास, न्फिलिस्तीनी इस्लामी ग्रुप, और यमन के हूथी भी शामिल थे। लेकिन 2024 में खामेनेई ने इन साथियों को टूटते और ईरान के इलाके में असर को कम होते देखा, जिसमें असद को हटाना और इजराइल द्वारा लेबनान में हिजबुल्लाह और गाजा में हमास को कई बार हराना शामिल था, जिसमें उनके नेताओं की हत्या भी शामिल थी। खामेनेई के राज में, ईरान और इजराइल ने सालों तक छाया युद्ध किया, जिसमें इजराइल ने तेहरान के नाभिकीय वैज्ञानिक और रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडरों की हत्या की। यह 2023 से गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल की लड़ाई के दौरान खुलकर सामने आया। अप्रैल 2024 में, ईरान ने दमिश्क में तेहरान के दूतावास परिसर पर बमबारी के बाद इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे। जवाब में इजरायल ने ईरानी जमीन पर हमला किया। लेकिन यह जून 2025 की बस एक शुरुआत थी, जब इजरायल की मिलिटरी ने ईरानी नाभिकीयऔर मिलिटरी ठिकानों के साथ–साथ वरिष्ठ अधिकारियों पर हमला करने के लिए सैकड़ों फाइटर जेट उतारे। इस अचानक हुए हमले से दोनों तरफ से मिसाइलों की बौछार शुरू हो गई, जिससे चल रहा झगड़ा पूरी तरह से जंग में बदल गया। अमेरिकी भी ईरान पर हवाई हमले में शामिल हो गया, जो 12 दिनों तक चला। अमेरिकी और इजरायल ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान अपने नाभिकीयऔर बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाता है तो वे फिर से हमला करेंगे और शनिवार को, उन्होंने दशकों में ईरानी टारगेट पर सबसे बड़ा हमला किया। राजनयिक मोर्चे पर, खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह के रिश्ते सामान्य करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन ने इस इलाके में सांप्रदायिक लड़ाई भड़काने के लिए इस्लामिक स्टेट जैसे कट्टर गुटों का साथ दिया था। सभी ईरानी अधिकारियों की तरह, खामेनेई ने भी नाभिकीयहथियार बनाने के किसी भी इरादे से इनकार किया और 1990 के दशक के बीच में नाभिकीयहथियारों के उत्पादन और इस्तेमाल पर एक इस्लामिक फैसला या फतवा जारी करते हुए कहारू श्यह हमारे इस्लामिक विचारों के खिलाफ है। उन्होंने 1989 में खोमैनी के जारी किए गए एक फतवे का भी समर्थन किया, जिसमें मुसलमानों से भारतीय मूल के लेखक सलमान रुश्दी कोउनके उपन्यास द सैटेनिकवर्सेज के प्रकाशन के बाद मारने के लिए कहा गया था। मरहूम आयतुल्लाह एक ऐसे इस्लामिक रिपब्लिक को छोड़कर गये हैं जो इजराइल और अमेरिका के हमलों के साथ–साथ देश में, खासकर युवा पीढ़ी के बीच, बढ़ते विरोध और अनिश्चितता से जूझ रहा है।

मैच का पासा पलटने वाले पल

दुबे का प्रमोशन, अक्षर के कैच और बूम-बूम-बुमराह

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। संजू सैमसन की 89 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह का शानदार ओवर, अक्षर पटेल का बेहतरीन कैच और आखिरी ओवर की रणनीति इस जीत के सबसे बड़े टर्निंग पॉइंट साबित हुए। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्वकप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल रोमांच से भरा रहा। मुंबई के वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में 253 रन बनाने के बावजूद इंग्लिश टीम आखिरी ओवर तक टक्कर में रही। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव झेलते हुए और आखिरी पलों में नब्ज पर काबू रखते हुए सात रन से जीत हासिल की और लगातार दूसरी बार टी20 विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई। अब आठ मार्च यानी रविवार को फाइनल में अहमदाबाद में टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया के कई फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित हुए। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, उन फैसलों ने टर्निंग पॉइंट का काम किया और मैच का पासा पलट गया। आइए हम मैच के उन्हीं टर्निंग पॉइंट्स पर नजर डालते हैं... 1. शिवम दुबे को बैटिंग में प्रमोट करना अभिषेक शर्मा का बल्ला एक बार फिर नहीं चला और वह दूसरे ओवर में विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए। अभिषेक नौ रन बना सके। फिर ईशान किशन के साथ सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी निभाई। ईशान (39) भी 10वें ओवर में आउट हो गए। इस विश्वकप में चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार ही उतरे हैं, लेकिन यहां टीम मैनेजमेंट ने सूझबूझ दिखाते हुए शिवम दुबे को भेजा और यह फैसला मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। उस वक्त इंग्लैंड के स्टार स्पिनर आदिल रशीद गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने ही ईशान किशन का विकेट चटकाया था। दुबे को आदिल को ही काउंटर करने के लिए भेजा गया और दुबे ने यह काम बखूबी निभाया। उन्होंने बीच के ओवरों में भारत के रन रेट को कम नहीं होने दिया और रशीद के दो ओवरों में तीन छक्के जड़ दिए। इंग्लैंड के स्पिन अटैक को नेस्तनाबूद कर दिया। दुबे को प्रमोट करने के टीम मैनेजमेंट के फैसले की वाकई सराहना हो रही है। दुबे ने 25 गेंद में 43 रन बनाए। 2. ब्रूक ने सैमसन का कैच ड्रॉप किया भारत की जीत की सबसे बड़ी नींव संजू सैमसन की धमाकेदार बल्लेबाजी रही। उन्होंने सिर्फ 42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली और इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। सैमसन को शुरुआती ओवरों में जीवनदान भी मिला जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर की गेंद पर सैमसन ने मिड ऑन पर शॉट लगाया और गेंद सीधे ब्रूक के हाथों में गई, लेकिन उनके हाथ से छिटक गई।

दर्शकों के दुर्व्यवहार के कारण मोहन बागान पर जुर्माना लगाया

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के पिछले मैच में दर्शकों के कथित दुर्व्यवहार के कारण मोहन बागान सुपर जायंट्स पर जुर्माना लगाया है और आदेश दिया है कि ओडिशा एफसी के खिलाफ होने वाला अगला मैच खाली स्टेडियम में खेला जाए। क्लब ने कहा कि उसने जुर्माना स्वीकार कर लिया है और उसकी यहां साल्ट लेक स्टेडियम में छह मार्च को होने वाले मैच के लिए दर्शकों पर प्रतिबंध के खिलाफ की गई अपील खारिज कर दी गई है। इसका खुलासा नहीं किया गया है कि मोहन बागान पर कितना जुर्माना लगाया गया है। मोहन बागान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''एआईएफएफ की अनुशासनात्मक समिति ने चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ मैच के दौरान दर्शकों के कथित दुर्व्यवहार के आरोप में मोहन बागान सुपर जायंट्स पर जुर्माना लगाया है जिसे उसने स्वीकार कर लिया है। एआईएफएफ ने हालांकि छह मार्च को ओडिशा एफसी के खिलाफ हमारे घरेलू मैच के लिए स्टेडियम को पूरी तरह से बंद करने का आदेश देकर कड़ा फैसला किया है।'' मोहन बागान ने 23 फरवरी को खेले गए मैच में चेन्नईयिन एफसी को 2–0 से हराया था। इस मैच के दौरान दर्शकों ने कथित दुर्व्यवहार किया था। मोहन बागान ने कहा, '' हम एआईएफएफ की अनुशासनात्मक समिति के छह मार्च को होने वाले हमारे घरेलू मैच के लिए स्टेडियम को पूरी तरह से बंद करने के फैसले से बेहद निराश हैं।'' क्लब ने कहा कि प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने की उसकी अपीलप्रशंसकों के हित में थी, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। एआईएफएफ ने कहा कि एक साल के भीतर दूसरी बार क्लब के समर्थकों द्वारा यह अपराध किये जाने के कारण क्लब पर जुर्माना लगाया गया है। इससे पहले 2024 . 25 सत्र में भी दर्शकों की बदसलूकी की कई घटनाओं के कारण उसे 'स्टेडियम बंद करने' की सजा दी गई थी। एआईएफएफ ने कहा ,'' आधिकारिक रिपोर्ट और बेंगलुरू एफसी द्वारा अलग से की गई शिकायत के बाद समिति ने जुर्माना लगाने का फैसला लिया।

प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में वर्ल्ड चौंपियन गुकेश को झेलनी पड़ी हार, अरविंद चिदंबरम ने दी मात

प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के छठे दौर में सटी रणनीति अपना कर अरविंद चिदंबरम ने अपने हमवतन डी गुकेश को हराया। जिससे मौजूदा फिडे वर्ल्ड चौंपियन अंतिम स्थान पर खिसक गया। अरविंद की जीत का मतलब है कि गुकेश अब लाइव रेटिंग सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। किसी प्रतियोगिता में नहीं खेलने के कारण विश्वनाथन आनंद इस सूची में शामिल नहीं हैं। दिसंबर 2024 में खिताब जीतने के बाद से गुकेश को वर्ल्ड चौंपियन का अपना रुतबा बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जनवरी 2025 में टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट एकमात्र अपवाद था जब पहले स्थान के लिए खेले गए टाईब्रेकर में वह हमवतन आर प्रज्ञानंद से हार गए थे। अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए फिलिडोर डिफेंस का प्रयोग बुरी तरह विफल होने के बाद सिसिलियन डिफेंस अपनाया। गुकेश के लिए मुश्किलें कड़ी करना आसान था क्योंकि मिडिल गेम के शुरू में उन्होंने अपना एक प्यादा कुर्बान कर दिया था। अरविंद ड्रॉ से खुश हो जाते लेकिन गुकेश ने 40वीं चाल में गलती की। अरविंद ने इसका फायदा उठाकर 48 चाल में जीत हासिल कर दी।

पर्थ में मैच से पहले हुआ किट को लेकर हुआ बवाल

एएफसी विमेंस एशियन कप के आगाज के एक दिन पहले पर्थ में भारतीय महिला फुटबॉल टीम भड़क गईं। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें टूर्नामेंट के लिए सही फिटिंग वाली मैच किट तक नहीं उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके मनोबल और तैयारी पर असर पड़ा। कप्तान समेत 26 खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से पत्र लिखकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सामने पेशेवर मानकों की कमी का मुद्दा उठाया। एआईएफएफ ने जूनियर टीमों के लिए बनी छोटी किट ऑस्ट्रेलिया में सीनियर टीम को भेजी थी।

शहबाज सरकार के तेल भंडार पर बड़े-बड़े दावों की खुली पोल, डीलर्स बोले- बचा सिर्फ 14 दिनों का स्टॉक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पेट्रोलियम भंडार को लेकर विवाद बढ़ गया है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन का दावा है कि देश में पेट्रोल–डीजल का स्टॉक केवल 14 दिन का है, जबकि ओजीआरए पर्याप्त भंडार होने की बात कह रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं। पाकिस्तान में पेट्रोलियम उत्पादों के भंडार को लेकर नया विवाद सामने आया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (च्च्क्।) ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (व्ळत्।) के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि देश में पेट्रोलियम भंडार को लेकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। कितने दिनों का बचा है स्टॉक?

पीपीडीए के चेयरमैन अब्दुल सामी खान ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक केवल 14 दिनों के लिए ही पर्याप्त है, जो ओजीआरए के दावों से बिल्कुल अलग है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आपूर्ति में बाधा जारी रही तो देशभर के पेट्रोल पंपों पर स्थिति और गंभीर हो सकती है। डीलर्स एसोशिएशन ने क्या बताया? डीलर्स एसोसिएशन ने यह भी कहा कि अगर हालात में सुध ार नहीं हुआ तो पूरे पाकिस्तान में पेट्रोल पंप बंद करने की नौबत आ सकती है। अब्दुल सामी खान के मुताबिक ईरान से पेट्रोल और डीजल के आयात पर रोक लगने से तेल विपणन कंपनियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। इसके साथ ही पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण के लिए लागू कोटा प्रणाली ने भी आपूर्ति संबंधी समस्याओं को और बढ़ा दिया है। हालांकि व्ळत्। ने लोगों से घबराने से बचने की अपील की है। प्राधिकरण का कहना है कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को अनावश्यक रूप से ईंध ान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। पेट्रोलियम डीलरों ने सुरक्षा उपलब्ध करना की मांग की संभावित संकट को देखते हुए पेट्रोलियम डीलरों ने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (प्ळ) से पेट्रोल पंपों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके और संचालन सामान्य बना रहे। ओएमएपी ने किस बात की आशंका जताई? इसी बीच ऑयल मार्केटिंग एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान (व्ड।च) ने भी देशभर में ईंधन आपूर्ति बाधित होने की आशंका जताई है। लाहौर से जारी एक पत्र में व्ड।च ने कहा कि स्थानीय रिफाइनरियां पहले से तय आपूर्ति प्रतिबद्धताओं से पीछे हट रही हैं। एसोसिएशन के अनुसार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपनी आपूर्ति योजना इस भरोसे पर बनाई थी कि घरेलू रिफाइनरियां प्रोडक्ट रिव्यू बैठक में तय मात्रा के अनुसार पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराएंगी। लेकिन रिफाइनरियों ने उस प्रतिबद्धता के अनुसार आपूर्ति नहीं की।

संजू सैमसन ने किया कारनामा

टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ संजू सैमसन आए और छा गए। वहीं, अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 में संजू ने फाइनल से पहले सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप 3 में एंट्री कर ली। संजू ने वेस्टइंडीज और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ कमाल की पारी खेली और दोनों मैचों में भारत की जीत के हीरो रहे। संजू ने दिखाया कि अहम मौकों पर वो टीम के लिए क्या कुछ कर सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल रविवार को होगा, लेकिन उससे पहले बात अगर टीम इंडिया के लिए इस टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 खिलाड़ियों की बात की जाए तो ईशान किशन अब नंबर वन पर आ गए हैं। सेमीफाइनल से पहले तक सूर्यकुमार पहले स्थान पर थे, लेकिन अब तस्वीर फिलहाल तो बदल गई और कप्तान सूर्या दूसरे नंबर पर आ गए और संजू ने अपनी धाकड़ बल्लेबाजी के दम पर तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। बता दें कि, संजू सैमसन ने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए अब तक कुल 4 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2 फिफ्टी के साथ 232 रन बनाए हैं। इन 4 मैचों में संजू ने कुल 115 गेंदों का सामना किया है। इन गेंदों पर उन्होंने ये रन बनाने में सफलता हासिल की और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं ईशान किशन ने 8 मैचों में 263 रन बनाए हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जबकि दूसरे स्थान पर टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं।

रिश्तेदारों ने कहा- फिल्मों में जाएगी तो शादी नहीं होगी

दिल्ली के वसंत विहार की एयर इंडिया कॉलोनी में पली–बढ़ीं तृप्ति डिमरी के सपनों की उड़ान घर के सांस्कृतिक माहौल से शुरू हुई। पिता दिनेश डिमरी रामलीला मंच के सक्रिय कलाकार रहे, लेकिन हालातों ने उनके अभिनय के सपने को पेशे में बदलने नहीं दिया। शायद वही अधूरा सपना तृप्ति की आंखों में आकार लेने लगा। दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई और श्री अरबिंदो कॉलेज से समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन की डिग्री के दौरान मॉडलिंग का एक छोटा–सा मौका मिला, जिसने उन्हें मुंबई तक पहुंचा दिया। संतूर के विज्ञापन से शुरुआत हुई, लेकिन आगे का रास्ता आसान नहीं था। रिश्तेदारों ने ताना मारा कि एक्ट्रेस बनने के बाद कोई शादी नहीं करेगा। इंडस्ट्री में उनके लुक और अपीयरेंस को लेकर जज किया गया। ऑडिशन में रिजेक्शन झेले, टिपिकल हीरोइन न दिखने की टिप्पणी की गई। कई बार आत्मविश्वास टूटा, मगर माता–पिता का साथ उनकी ताकत बना रहा। 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू के बाद भी संघर्ष खत्म नहीं हुआ। 'लैला मजनू' जैसी संवेदनशील फिल्म ने अभिनय की पहचान दी, पर व्यावसायिक असफलता ने फिर शून्य पर ला खड़ा किया। 'बुलबुल' और 'कला' में कंटेंट–ड्रिवन सिनेमा की मजबूत अभिनेत्री के रूप में सराहना मिली, लेकिन व्यापक लोकप्रियता दूर थी। 2023 में 'एनिमल' ने तस्वीर बदल दी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनका किरदार चर्चा का केंद्र बना और वे रातोंरात 'नेशनल क्रश' कहलाने लगीं। आज बड़े बैनर और बड़े सितारों के साथ काम कर रहीं हैं। आज की सक्सेस स्टोरी में जानते हैं तृप्ति डिमरी की लाइफ और करियर से जुड़ी कुछ ऐसी ही कुछ और खास बातें.. रामलीला से मिला अभिनय का संस्कार तृप्ति डिमरी का जन्म 23 फरवरी 1994 को दिल्ली में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल से है, लेकिन पिता दिनेश डिमरी की एयर इंडिया में नौकरी के कारण परिवार दिल्ली में बस गया। वे वसंत विहार स्थित एयर इंडिया कॉलोनी में रहते हैं। तृप्ति के पिता को अभिनय और मंच से खास लगाव था। वे हर साल 10 दिनों तक रामलीला और दशहरा समारोह आयोजित करते थे और करीब 30 साल तक रामलीला कमिटी के सदस्य रहे। बचपन में उन्होंने राम और रावण जैसे किरदार भी निभाए। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में तृप्ति ने बताया था कि घर में कला और संस्कृति का माहौल था, जिसने उनके अंदर अभिनय के प्रति झुकाव पैदा किया। पढ़ाई और मॉडलिंग की शुरुआत तृप्ति डिमरी ने 12वीं तक की पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली के श्री अरबिंदो कॉलेज से समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दौरान उनके भाई के एक दोस्त ने पार्क में उनका फोटोशूट किया और तस्वीरें एक मॉडलिंग एजेंसी को भेज दीं। एजेंसी ने उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया और वे सिलेक्ट हो गईं। मुंबई का सफर और फिल्मों में एंट्री तृप्ति को पहला मौका संतूर साबुन के विज्ञापन में मिला, जिसकी शूटिंग मुंबई में हुई। इस प्रोजेक्ट के बाद उन्होंने मुंबई में ही रुकने का फैसला किया और फिल्मों के लिए ऑडिशन देने लगीं। इसी दौरान उन्हें श्रीदेवी स्टारर फिल्म 'मॉम' में एक छोटा सा किरदार निभाने का अवसर मिला। यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। रिश्तेदारों ने कहा कि शादी नहीं होगी इस दौरान तृप्ति के रिश्तेदारों को पता चल गया कि वो एक्टिंग के लिए कोशिश कर रही हैं। रिश्तेदारों ने तृप्ति के पेरेंट्स को ताना मरने लगे। तृप्ति कहती हैं– 'कुछ रिश्तेदारों ने मेरे पेरेंट्स से कहा था कि अगर आपकी बेटी फिल्मों में जाएगी, तो उसकी शादी नहीं हो पाएगी। ऐसे कमेंट्स मेरे पेरेंट्स के लिए आसान नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्होंने मेरा साथ दिया। श्पोस्टर बॉयजश ने मेरे पेरेंट्स को भरोसा दिलाया 2017 में श्पोस्टर बॉयजश से डेब्यू किया। उस समय मुंबई नई–नई आई थी, तब पता नहीं था कि क्या करना है। मुंबई शहर अजनबी लगता था। इस फिल्म के लिए पहली बार ऑडिशन में रिजेक्ट हो गई थी। फिर मुझे दोबारा ऑडिशन के लिए बुलाया गया और सेलेक्ट हो गई। पहली ही फिल्म में सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करने का मौका मिला। उस समय बहुत घबराहट थी, लेकिन उत्साह भी था। इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल था, फिर भी गर्व महसूस हुआ। इस फिल्म ने परिवार को भरोसा दिलाया। कैमरे के सामने खड़े होने का आत्मविश्वास मिला। पहले बहुत शर्मीली थी, लेकिन रोज सौ लोगों के सामने परफॉर्म करने से डर दूर हुआ। फैसला लिया कि कभी रुकूंगी नहीं। आउटसाइडर के लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल लेकिन एक आउटसाइडर के रूप में अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। ऑडिशन का सिलसिला करीब डेढ़ साल तक चला। कभी–कभी एक ही दिन में तीन–चार ऑडिशन देने पड़ते थे। ऑडिशन के बारे में बहुत कम जानकारी दी जाती थी, लेकिन उम्मीद होती थी कि आप किरदार को पूरी तरह जीवंत कर दें। इतने सारे लोगों के सामने सिर्फ एक या दो मौके मिलते थे। लुक और अपीयरेंस को लेकर ताने मिले शुरू में मेरे लुक और अपीयरेंस को लेकर जज किया गया। मुझसे कहा गया कि तुम बहुत सिंपल हो, तुम टिपिकल हीरोइन जैसी नहीं लगतीं, तुम ग्लैमरस नहीं हो। ऐसे कमेंट्स ने कई बार आत्मविश्वास तोड़ा। उस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया कि ध ैर्य, निरंतरता और खुद को हर बार नया बनाए रखने की जरूरत है। काम मिलने के बाद भी चुनौती खत्म नहीं होती। आपको हर बार कुछ नया लाना पड़ता है, ताकि न दर्शक ऊबें और न आप खुद। श्लैला मजनूश की शूटिंग के दौरान रो पड़ी 2018 में रिलीज फिल्म श्लैला मजनूश मेरे लिए बहुत खास थी। क्योंकि यह मेरी पहली लीड भूमिका वाली फिल्म थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक्टिंग की बारीकियां सीखने को मिली। उस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। हालांकि फिल्म की शूटिंग के दौरान कई चुनौतियां थीं क्योंकि हम कश्मीर की घाटियों में लगातार 20 या 24 घंटे तक शूटिंग करते थे। कई बार उस दौरान मैं रो पड़ी, यह सोचकर कि मैं क्या कर रही हूं, क्योंकि कुछ भी आसान नहीं था। हम स्थानीय लोगों के घरों में जाते और वहीं खाना खाते थे, और मुझे कश्मीर से गहरा लगाव हो गया। जब फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, तो मुझे बहुत निराशा हुई क्योंकि हम फिर से शून्य पर आ गए थे। और फिर हमने दोबारा ऑडिशन देना शुरू किया। तृप्ति ने 'बुलबुल' में 19वीं सदी के बंगाल में पितृसत्ता की शिकार लड़की बुलबुल का किरदार निभाया, जो चुड़ैल बनकर बदला लेती है। 'कला' में संघर्षशील पार्श्वगायिका का किरदार निभाया था। तृप्ति ने 'बुलबुल' में 19वीं सदी के बंगाल में पितृसत्ता की शिकार लड़की बुलबुल का किरदार निभाया, जो चुड़ैल बनकर बदला लेती है। 'कला' में संघर्षशील पार्श्वगायिका का किरदार निभाया था। 'बुलबुल' और 'कला' में काम करते वक्त डरी हुई थी श्बुलबुलश में काम करते वक्त मन में शंका थी।

मलाइका ने नए बॉयफ्रेंड संग मनाया था वैलेंटाइन?

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर फिर से सुर्खियों में छाई हुई है. दरअसल नेटिजन्स को लग रहा है कि अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद अब एक्ट्रेस आगे बढ़ चुकी हैं और उनकी लाइफ में नए प्यार ने दस्तक भी दे दी है. दरअसल मलाइका की एक मिस्ट्री मैन संग तस्वीर रेडिट पर वायरल हो रही है. जिसके बाद नेटिजन्स कयास लगा रहे हैं कि बॉलीवुड दीवा ने अपने नए बॉयफ्रेंड के साथ इटली में वैलेंटाइन डे मनाया था?

ADMISSION

OPEN

FOR 2026

KRISHNA SHISHU IKETAN,

MALKHANA ROAD, SHAHJAHANPUR

KRISHNA SHISHU NIKETAN PROVIDES CLASSES FROM NC TO VIIITH

Our teachers are all native Hindi and English speakers. They are qualified and are highly dedicated to creating a fun, friendly, but also hardworking environment at Krishna Shishu Niketan, Shahjahanpur.

Mohammad zai, Malkhana Road,
In front of Car Bazar,
Shahjahanpur - 242001
Contact us at +91-9450444079

रंगों का पर्व होली संपन्न

तिलहर (संजय मिश्रा) रंगो का पर्व होली धूमधाम हर्ष उल्लाह पूर्वक मनायी गयी लोगों ने परम्परा के अनुसार होली पूजन किया और एक साथ मिलकर होलिका दहन के बाद होलिका मैय्या की जय भक्त प्रहलाद की जय के उदघोष के साथ आखत डाले पूजन किया तद्उपरान्त स्त्री पुरुष बच्चों ने रंग गुलाल व पानी सराबोर मस्ती करते हुए होली खेली और होली के गीतो पर जमकर डांस किया तथा लोगों ने समूह में एक दूसरे के घरो में जाकर होली की शुभकामनाएं दी और गुजिया व मिष्ठान का आनन्द उठाया तथा परम्परा के अनुसार गमी के घरो में जाकर लोगों के गमो में शामिल हुए !

कुत्तों से बचकर भाग रहा हिरन नाले में गिरा,वन विभाग ने रेस्क्यू किया

लखीमपुर–खीरी। जनपद में दुधवा टाइगर रिजर्व से भटककर एक हिरण भैरमपुर गांव पहुंच गया। कुत्तों द्वारा दौड़ाए जाने पर ग्रामीणों ने उसे बचाया और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने हिरण का सफल रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना उत्तर निघासन वन रेंज के भैरमपुर गांव के पास हुई। गांव की गलियों में हिरण को दौड़ते देख कुछ ग्रामीण घरों से बाहर आ गए। इसी दौरान, कुत्तों ने हिरण को दौड़ाना शुरू कर दिया, जिससे उसकी जान खतरे में पड़ गई। ग्रामीणों ने तुरंत हस्तक्षेप कर हिरण को कुत्तों से बचाया और इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद हिरण को पकड़ लिया। रेंजर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि हिरण भोजन या पानी की तलाश में जंगल से भटककर आबादी क्षेत्र में आ गया होगा। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वन विभाग ने हिरण को दोबारा सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है।

पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़,ईरान–इजरायल युद्ध से ईंधन खत्म होने की अफवाह फैली

लखीमपुर–खीरी। जनपद में ईरान–इजरायल युद्ध की खबरों के बीच ईंधन खत्म होने की अफवाहों से लोगों में अफरा–तफरी मच गई। जिलेभर के पेट्रोल पंपों पर डीजल और पेट्रोल भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। निघासन–ढकेरवा रोड पर स्थित दीक्षित पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। सिंगाही थाना क्षेत्र के अयोध्या पुरवा गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप पर किसान ट्रैक्टर लेकर डीजल भरवाने पहुंचे, जहां दिनभर भीड़ बनी रही। तिकुनिया और बेलरायां कस्बों के पास के पेट्रोल पंपों पर भी भारी भीड़ उमड़ी। सिधौना गांव के किसान दामोदर ने बताया कि जब वह अयोध्या पुरवा गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल लेने पहुंचे, तो सेल्समैन ने उन्हें यह कहकर डीजल देने से इनकार कर दिया कि स्टॉक खत्म हो गया है। इस मामले पर निघासन के एसडीएम राजीव निगम ने बताया कि जिले में डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने सप्लाई इंस्पेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे पेट्रोल पंप संचालकों को ग्राहकों को जागरूक करने की हिदायत दें। एसडीएम ने यह भी चेतावनी दी कि ईंधन को लेकर कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुरानी रंजिश में मारपीट,आधा दर्जन लोग घायल, एक युवक की हालत गंभीर

लखीमपुर–खीरी। जनपद के निघासन कोतवाली क्षेत्र के दुबहा गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल जांच के लिए सीएससी निघासन भेजा है। इस घटना में एक युवक के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया, जिससे उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।सीएचसी के डॉक्टरों ने घायल को जिला अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी है। गांव निवासी दयाशंकर ने बताया कि वे अपने घर से खेत की ओर जा रहे थे। रास्ते में गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने दयाशंकर के साथ गाली–गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान हमलावरों में से एक ने दयाशंकर के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। शोरगुल सुनकर बीच–बचाव करने पहुंचे लोगों को भी पीटा गया। जब दोनों पक्षों के लोग मौके पर जमा हो गए, तो उनके बीच भी जमकर मारपीट हुई।

मिठाई लेने के विवाद में बुजुर्ग की मौत, केस दर्ज

सीतापुर। मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र में मिठाई की दुकान पर सामान लेने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट में घायल एक बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने दुकानदार और उसके पुत्र पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बेलहैया गांव निवासी हेतम पुत्र जुल्फू मिठाई लेने के लिए बुधवार देर शाम को स्थानीय दुकान पर गए थे। इसी दौरान दुकानदार से किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। परिजनों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। परिजनों का आरोप है।

कृष्णा मंदिर एवं सीतापुर नेत्र चिकित्सालय प्रांगण में खूब उड़ा गुलाल

शाहजहाँपुर।(विशालसक्सेना) कृष्णानगरस्थितश्री कृष्ण मंदिर (कृष्णा मंदिर) में होली का त्यौहार धूमधामसेमनाया गया जिसमें कार्यवाहक प्रधान हरीश बजाज,युवा प्रधान संजीव सचदेवा,भूषण खुराना, विजय तुली,राजेंद्र गुप्ता,जगदीश गोगिया , विनोद सचदेवा, जसवंत जय सिंह,मनमोहन अरोरा , मदन अरोरा,नवीन सचदेवा, अनिल कक्कड़,राजीव मिश्रा,रोहिताश सचदेवा,संदीप अरोरा,केवल कृष्ण सचदेवा,ममता सचदेवा, डोली मेंहदीरत्ता,सुषमा सचदेवा,उर्मिला नैय्यर सहित सैकड़ों भक्तों ने राधा रानीएवं कान्हा जी के संग होली खेलकर आनंद प्राप्त किया। इधर योग विज्ञान संस्थान की जिला इकाई के तत्वावधान में होली के रंग– योग के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें योग साधकों ने पूरे आनन्द व उल्लास के साथ होली का पर्व मनाया।कार्यक्रम का आरम्भ नगर आयुक्त डॉ बिपिन कुमार मिश्र , विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवि राधेमोहन मिश्र मटियारी व डॉ पुनीत टण्डन ने भगवान श्री कृष्ण के चित्र पर अबीर गुलाल व पुष्प अर्पित कर किया।कवि राधे मोहन मिश्र मटियारी ने शानदार होली गीत सुनाये।शुरुआत महिला साधिकाओं द्वारा गणेश वंदना से की गई तदोपरान्त साधिकाओं ने होली खेलें रघुवीरा अवध में, रंग बरसे भीगे चुनर वाली, होली आई रे कन्हाई, रंग लेके दौरे हनुमान जी, आदि गीतों पर जमकर ठुमके लगाए।संचालन कवि डॉ इन्दु अजनबी ने किया।कार्यक्रम के संयोजन में जिला महिला योग प्रमुख ज्योति गुप्ता, केन्द्र प्रमुख बिपिन रस्तोगी का विशेष सहयोग रहा। स्वागत सम्बोधन प्रधान डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी द्वारा दिया गया। की मधुर ध्वनि के साथ शुरू हुए आयोजन में प्रमुख रूप उपप्रधान जीसी मिश्रा,राजेश दीक्षित, पदमा गुप्ता, संध्या गुप्ता, रचना चांदना, डॉ सारिका अग्रवाल, अर्चना दीक्षित, ललित मोहन, मधु सक्सेना, प्रमोद पाण्डेय, आलोक दुबे, आशाराम गुप्ता, अनीता शुक्ला, तेजवीर गुप्ता, अनामिका अवस्थी, कौशल शुक्ला , लीना सागर, निशा बरनवाल, स्वतंत्र रस्तोगी, डॉ राजेंद्र कुशवाहा, जवाहर लाल रस्तोगी, सौरभ गोयल, अनामिका मिश्रा, सुमन सिंह, सावित्री, निमिषा मिश्रा, रेखा सक्सेना, प्रवीण मिश्रा, गीता सिंह, रेनू मौर्या, रेखा कुशवाहा, माया द्विवेदी, आरती गुप्ता, सुनीता सूरी, वेदप्रकाश अग्रवाल, सतवीर मोंगा, संजना गुप्ता, मीना अग्निहोत्री, रितु सिंह समेत अनेक साधक साधिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

छात्रा से दुष्कर्म के बाद गला दबाकर की हत्या,पीएम रिपोर्ट में खुलासा

लखीमपुर–खीरी। जिले में 16 वर्षीय छात्रा की हत्या का मामला अब और भी सनसनीखेज हो गया है। गन्ने के खेत में मिले छात्रा के शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। इस खुलासे के बाद इलाके में आक्रोश और बढ़ गया है। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया, जिसके चलते मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मृतक किशोरी सीतापुरके लहरपुर की रहने वाली थी और कक्षा 11 की छात्रा थी। बेहतर पढ़ाई के लिए वह लखीमपुर शहर के एक मोहल्ले में किराए के मकान में रह रही थी। बताया जा रहा है कि 25 फरवरी को वह अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद भी कई दिनों तक छात्रा का कोई पता नहीं चल सका। करीब एक हफ्ते बाद 3 मार्च को सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के पास गन्ने के खेत में छात्रा का अर्धनग्न शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटनास्थल के पास खून से सना एक ब्लेड भी मिला, जिससे यह आशंका और गहरी हो गई कि छात्रा के साथ गंभीर अपराध हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बुधवार को तीन डॉक्टरों के पैनल ने छात्रा के शव का पोस्टमॉर्टम किया।

कार ने तीन बाइकों को टक्कर मारी,तीन की हालत गंभीर

सीतापुर। जनपद के संदना थाना क्षेत्र के रालामऊ कस्बे में सिधौलीदृ मिश्रिख रोड पर गुरुवार को तेज रफ्तार कार ने तीन बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सात लोग और एक सात वर्षीय मासूम बच्ची समेत कुल आठ लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार सिधौलीदृ मिश्रिख मार्ग पर तेज गति से आ रही एक कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सामने जा रही तीन बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में घनश्याम (22) पुत्र रामेश्वर, सोनू (18) पुत्र रामलोटन, रवि (12) पुत्र लल्लूराम, अनुराग (19) पुत्र कमलेश मौर्य, छंगा (20) पुत्र रामेश्वर, बुद्धा (15) पुत्र छत्रपाल और विमल (20) पुत्र बचान प्रसाद निवासी धरौली घायल हो गए। बताया जाता है कि बाइकों को टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रुकी और सड़क किनारे एक घर के बाहर नहा रही सात वर्षीय मासूम पूर्ति पुत्री बालकराम से जा टकराई, जिससे वह भी घायल हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोग तुरंत घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही संदना थाना अध्यक्ष अरविंद कटियार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को उपचार के लिए सिधौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और तीनों बाइकों को अपने कब्जे में ले लिया है। थाना अध्यक्ष अरविंद कटियार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सांध्य दैनिक क्रान्ति रत

स्वामी ,प्रकाशक,मुद्रक राकेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा बालाजी प्रिन्टर्स गौतम बुद्ध मार्ग शाहजहाँपुर(उ0प्र0) से मुद्रित एवं मो0 मोहम्मदजई गौतमबुद्ध मार्ग (मालखाना रोड) शाहजहँपुर(उ0प्र0) से प्रकाशित।

– प्रधान सम्पादक–
राकेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो0–9415527512

– सम्पादक–
राजेन्द्र बाबा
मो0– 9044928946

– सह सम्पादक–
रामकुमार बखिया
मो0–9450418490

– उप सम्पादक–
संजय मिश्रा
मो0 –9451838577